Toppersnotes®
Unleash the topper in you

हिमाचल प्रदेश

Junior Office Assistant (IT)

हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (HPRCA)

भाग - 2

हिमाचल प्रदेश सामान्य ज्ञान एवं तर्कशक्ति

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	हिमाचल प्रदेश का सामान्य परिचय	1
2	हिमाचल प्रदेश का भौगोलिक विश्लेषण	4
3	हिमाचल प्रदेश की कृषि	16
4	हिमाचल प्रदेश के प्राकृतिक संसाधन	19
5	हिमाचल प्रदेश के प्रमुख उद्योग	29
6	हिमाचल प्रदेश में परिवहन	34
7	हिमाचल प्रदेश की जनगणना	36
8	हिमाचल प्रदेश की जलविद्युत परियोजनायें	38
9	हिमाचल प्रदेश में शिक्षा	40
10	हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थल	42
11	हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध व्यक्तित्व	52
12	हिमाचल प्रदेश में खेल और पुरस्कार	54
13	हिमाचल प्रदेश की भाषा एवं साहित्य	57
14	हिमाचल प्रदेश की कला और संस्कृति	63
15	हिमाचल प्रदेश में जातियाँ और जनजातियाँ	82
16	हिमाचल प्रदेश का प्राचीन इतिहास	89
17	हिमाचल प्रदेश का मध्यकालीन इतिहास	93
18	हिमाचल प्रदेश के प्रमुख आन्दोलन	99
19	हिमाचल प्रदेश के प्रषिद्ध सत्याग्रह	102
20	हिमाचल प्रदेश का पुनर्गठन	108
21	हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल	109
22	हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री	111
23	हिमाचल प्रदेश की विधानसभा	113

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	हिमाचल प्रदेश में उच्च न्यायालय	115
25	स्थानीय स्व –शासन पंचायती राज	116
26	स्थानीय स्वशासन नगर पालिका	119
27	संवैधानिक निकाय	123
28	गैर संवैधानिक निकाय	127
29	अंग्रेजी वर्णमाला परीक्षण	130
30	संख्या और अक्षर श्रृंखला परीक्षण	133
31	कोडिंग एवं डिकोडिंग	140
32	वर्गीकरण परीक्षण	145
33	दिशा और दूरी	150
34	रक्त संबंध	155
35	कैलेंडर	158
36	बैठक व्यवस्था	161
37	क्रम एवं स्थान परीक्षण	170
38	लुप्त पद परीक्षण	174
39	सादृश्यता परीक्षण	179
40	न्याय निगमन	184
41	वेन आरेख	192
42	दर्पण प्रतिबिंब और जल प्रतिबिंब	196
43	आकृतियों की गिनती	199

1 CHAPTER
हिमाचल प्रदेश का सामान्य परिचय

हिमाचल प्रदेश का गठन

- गठन: **15 अप्रैल, 1948**
- गठन में सम्मिलित राज्य: **30 छोटी और बड़ी रियासतों का विलय करके गठित**
- **1948–1951:** हिमाचल प्रदेश एक **मुख्य आयुक्त प्रांत** था
- **1951–1956:** संविधान लागू होने के बाद इसे राज्यों के वर्ग 'ग' में रखा गया
- **1956–1971:** एक **केंद्र शासित प्रदेश** के रूप में कार्यरत
- **25 जनवरी, 1971:** इसे **पूर्ण राज्य का दर्जा** प्रदान किया गया और अंततः यह भारत का **18वां राज्य बना**

सामान्य जानकारी:

- स्थापना तिथि: **25 जनवरी, 1971**
- राजधानी: **शिमला**
- भौगोलिक क्षेत्रफल: **55,673 वर्ग किलोमीटर**
  - ✓ भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल में योगदान: **1.7%**
  - ✓ क्षेत्रफल के आधार पर रैंक: **29 राज्यों में 18वाँ स्थान** (तेलंगाना राज्य के गठन के बाद)

- अक्षांश: **30° 22'40" उत्तर से 33° 12'40" उत्तर**
- देशांतर: **75° 45'55" पूर्व से 79° 04'20" पूर्व**
- पड़ोसी देश: **पूर्व दिशा में चीन**
- राज्य दिवस: **15 अप्रैल** (भारत में विलय का दिवस)
- **भाषा:**
  - ✓ आधिकारिक भाषा – **हिंदी**
  - ✓ अन्य भाषाएँ – **पंजाबी, लाहौली, किन्नौरी, सिरमौरी, गोजरी, बिलासपुरी, पहाड़ी, डोगरी और कांगड़ी**
- **पड़ोसी राज्य:**
  - ✓ **उत्तर** – जम्मू और कश्मीर
  - ✓ **पश्चिम और दक्षिण पश्चिम** – पंजाब
  - ✓ **दक्षिण** – हरियाणा
  - ✓ **दक्षिण-पूर्व** – उत्तराखंड
  - ✓ **पूर्व** – तिब्बत

<u>अन्य राज्यों और क्षेत्रों के साथ सीमा साझा करने वाले जिले:</u>

- **उत्तराखंड:** किन्नौर, शिमला, सिरमौर
- **उत्तर प्रदेश:** सिरमौर (यमुना नदी इसकी सीमा बनाती है)
- **पंजाब:** ऊना, बिलासपुर, सोलन, सिरमौर
- **जम्मू और कश्मीर:** कांगड़ा, चंबा, लाहौल और स्पीति
- **तिब्बत (चीन):** किन्नौर, लाहौल और स्पीति

नोट:
- ✓ पंजाब राज्य की सीमा हिमाचल प्रदेश के सबसे ज़्यादा जिलों (5 जिलों) से लगती है।
- ✓ हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा और मंडी जिलों की सीमा सबसे ज़्यादा जिलों (प्रत्येक की 6 जिलों से) से लगती है जबकि चंबा और सिरमौर की सीमा सबसे कम जिलों (प्रत्येक की 2 जिलों से) से लगती है।

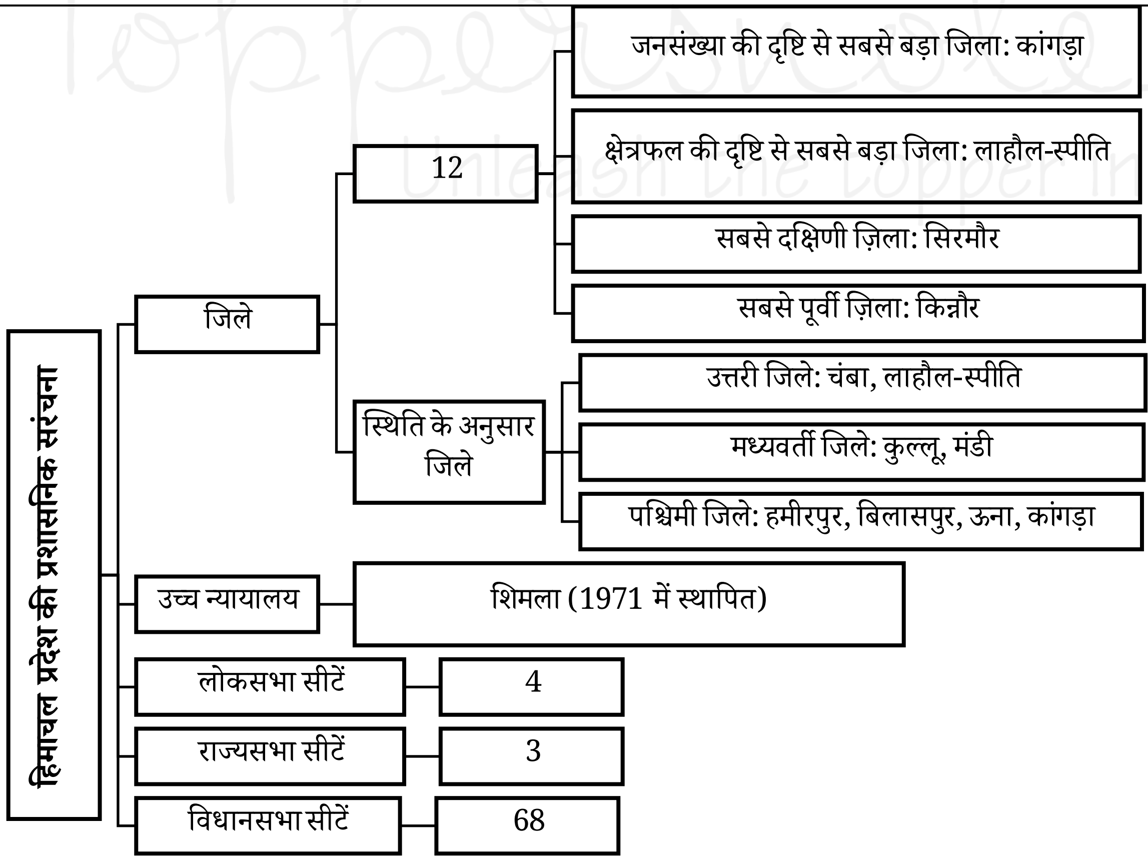

राज्य के राजकीय प्रतीक:

राज्य प्रतीक	नाम	विवरण
राज्य पशु	हिम तेंदुआ	हिम तेंदुआ हिमाचल प्रदेश का राज्य पशु है। यह मध्य एवं दक्षिण एशिया के ऊँचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में पाया जाता है। यह प्रजाति IUCN द्वारा संकटग्रस्त (EN) श्रेणी में सूचीबद्ध है। इसके शरीर पर लम्बे, घने बाल होते हैं जो ठंडी जलवायु के अनुकूल बनाते है तथा इसका रंग धुँधला धूसर से हल्का पीला और नीचे की ओर फीका होता है।
राज्य पक्षी	जूजुराना / वेस्टर्न ट्रैगोपैन	जूजुराना, जिसे वेस्टर्न ट्रैगोपैन भी कहा जाता है, हिमाचल प्रदेश का राज्य पक्षी है। इसे इसकी सुंदरता और घटती आबादी के कारण चुना गया। "पक्षियों के राजा" के नाम से प्रसिद्ध इस पक्षी को वर्ष 2007 में आधिकारिक रूप से राज्य पक्षी घोषित किया गया।
राज्य वृक्ष	देवदार	देवदार हिमाचल प्रदेश का राज्य वृक्ष है। इसका नाम संस्कृत शब्द *देवदारु* से निकला है, जिसका अर्थ है "देवताओं का वृक्ष।" इसकी लकड़ी अत्यंत मज़बूत होती है तथा स्वाभाविक रूप से कीटों, फफूंद एवं बैक्टीरिया से सुरक्षित रहती है जिसके कारण यह निर्माण कार्यों में अत्यधिक उपयोगी है।
राज्य पुष्प	गुलाबी रोडोडेंड्रॉन	गुलाबी रोडोडेंड्रॉन हिमाचल प्रदेश का राज्य पुष्प है। इसे इसके सुन्दर गुलाबी रंग के लिए जाना जाता है। IUCN के अनुसार यह एक संकटग्रस्त प्रजाति है और इसके संरक्षण की आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश में प्रथम:

श्रेणी	नाम / विवरण
प्रथम मुख्य आयुक्त	श्री एन. सी. मेहता
प्रथम उप मुख्य आयुक्त	श्री ई. पी. मून
प्रथम उपराज्यपाल	मेजर जनरल हिम्मत सिंह
प्रथम राज्यपाल	श्री एस. चक्रवर्ती
प्रथम महिला राज्यपाल	श्रीमती शीला कौल
प्रथम मुख्यमंत्री	डॉ. वाई. एस. परमार
प्रथम मुख्य न्यायाधीश	न्यायमूर्ति मिर्ज़ा हमीदुल्लाह बेग
प्रथम महिला मुख्य न्यायाधीश	न्यायमूर्ति लीला सेठ
प्रथम विधानसभा अध्यक्ष	पंडित जयवंतराम
प्रथम महिला विधानसभा अध्यक्ष	श्रीमती विद्या स्टोक्स
प्रथम उपाध्यक्ष, विधानसभा	श्री कृष्ण चंद्र
प्रथम मुख्य सचिव	श्री के. एल. मेहता
प्रथम लोकायुक्त	न्यायमूर्ति टी. वी. आर. टाटाचारी
केंद्रीय मंत्रिमंडल में पहली महिला मंत्री (हिमाचल प्रदेश से)	राजकुमारी अमृत कौर (स्वास्थ्य मंत्री)
प्रथम राज्यसभा सदस्य	श्री चिरंजी लाल वर्मा
परम वीर चक्र के प्रथम विजेता (हिमाचल प्रदेश से)	मेजर सोमनाथ शर्मा
महावीर चक्र के प्रथम विजेता (हिमाचल प्रदेश से)	लेफ्टिनेंट कर्नल कमान सिंह
वीर चक्र के प्रथम विजेता (हिमाचल प्रदेश से)	हवलदार टोपगे
हिमाचल प्रदेश का प्रथम आईटी पार्क	मौजा मजहोल (वक्नाघाट)
हिमाचल प्रदेश से भारत के मुख्य न्यायाधीश बनने वाले प्रथम व्यक्ति	न्यायमूर्ति मेहर चंद महाजन
हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के प्रथम अध्यक्ष	लेफ्टिनेंट जनरल के. एस. कटोच

2
CHAPTER

हिमाचल प्रदेश का भौगोलिक विश्लेषण

हिमाचल प्रदेश का भौतिक विभाजन

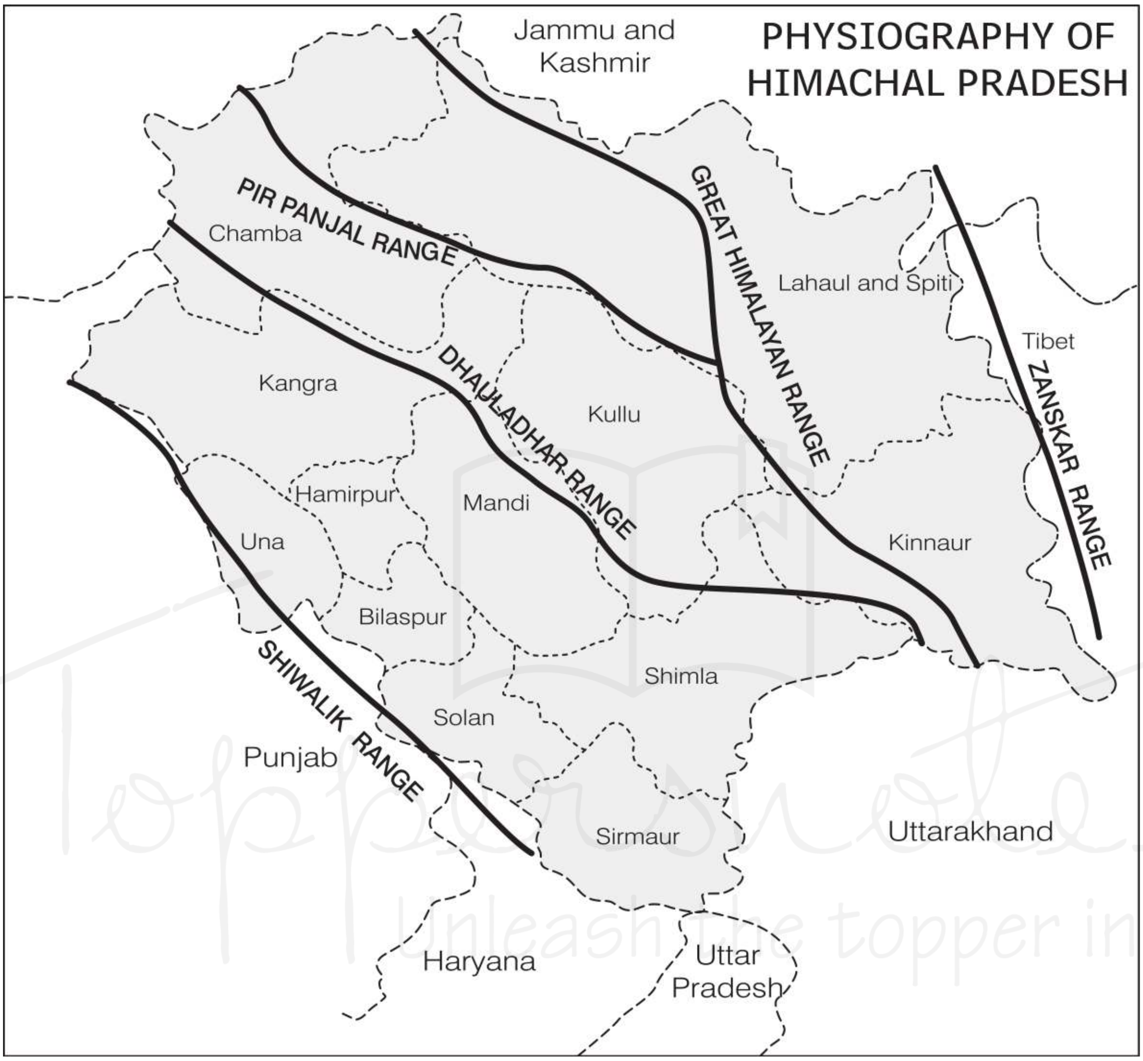

पर्वत श्रेणी	ऊँचाई (मीटर)	प्रमुख विशेषताएँ	विस्तार / जिले	प्रमुख शिखर / दर्रे
निचली पहाड़ियाँ / बाह्य हिमालय (शिवालिक)	300 – 1,500	➢ हिमालय की सबसे नवीन संरचना ➢ ढीली चट्टानें, अधिक कटाव ➢ 'दून' घाटियाँ व चोस	कांगड़ा, हमीरपुर, ऊना, बिलासपुर, मंडी, सोलन, सिरमौर	**चूड़धार (3,647 मी.)**
लघु / आंतरिक हिमालय (मध्य हिमालय)	1,500 – 4,500	➢ समशीतोष्ण जलवायु ➢ फल व आलू की खेती ➢ प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ: धौलाधार, पीर पंजाल	सिरमौर, कांगड़ा, मंडी, शिमला, चंबा	**हनुमान का तिब्बा (5,639 मी.)**, नगड़ू

धौलाधार श्रेणी	औसत 4,550	➢ "श्वेत श्रृंखला" ➢ नदियों द्वारा विभाजित ➢ बारा बंगाल पर्वतीय गाँठ	कांगड़ा, चंबा, कुल्लू, मंडी	**हनुमान का तिब्बा**, नगड़ू
पीर पंजाल श्रेणी	औसत 5,000	➢ सबसे विस्तृत श्रेणी ➢ चिनाब–ब्यास–रावी जल-विभाजक ➢ कुल्लू–लाहौल सीमा	मुख्यतः चंबा, कुल्लू	**रोहतांग दर्रा**
महान हिमालय / हिमाद्रि / अल्पाइन क्षेत्र	5,000 – 7,000	➢ सर्वाधिक ऊँचाई ➢ भारी हिमपात ➢ हिमनदों का क्षेत्र ➢ जलवायु अवरोध	किन्नौर, लाहौल-स्पीति, चंबा (पांगी)	—
ज़ांस्कर पर्वत श्रेणी	औसत 3,000	➢ सबसे पूर्वी श्रेणी ➢ तिब्बत व लद्दाख से प्राकृतिक सीमा ➢ सतलुज द्वारा कटी गहरी घाटियाँ	किन्नौर, लाहौल-स्पीति	**शिल्ला शिखर (7,026 मी.)**, शिपकी ला

हिमाचल प्रदेश के महत्वपूर्ण पर्वत शिखर

जिला / क्षेत्र	पर्वत शिखरों के नाम
किन्नौर	शिल्ला शिखर (हिमाचल प्रदेश की सर्वोच्च चोटी), रेओ पुर्ग्यिल, किन्नौर कैलाश, शिपकी ला
लाहौल एवं स्पीति	मनिरंग (लाहौल–स्पीति जिले की सर्वोच्च चोटी), मुलकिला, ग्येफांग, संगरी ला, लेडी ऑफ कीलॉन्ग
कुल्लू	देव तिब्बा, हनुमान जी का तिब्बा (व्हाइट माउंटेन), पिन पार्वती, इन्द्रसेन
कांगड़ा	चोलांग
चंबा	पीर पंजाल (चंबा जिले की सर्वोच्च चोटी), मणिमहेश कैलाश (भरमौर में स्थित)
शिमला	चांसल
सिरमौर	चूड़धार / चूर चाँदनी (शिवालिक पर्वतमाला की सर्वोच्च चोटी)

हिमाचल प्रदेश के प्रमुख दर्रे

दर्रा	स्थान	विवरण
पिन पार्वती दर्रा	कुल्लू–स्पीति क्षेत्र	इसे "छायाओं की घाटी" भी कहा जाता है और यह समुद्र तल से **5,319 मीटर** की ऊँचाई पर स्थित है। यह कठोर एवं पथरीले भू-भाग वाला क्षेत्र है और कुल्लू की पार्वती घाटी को लाहौल–स्पीति जिले की पिन घाटी से जोड़ता है।
बारालाचा ला दर्रा	ज़ांस्कर पर्वतमाला (लेह–मनाली राजमार्ग पर)	बारालाचा ला का अर्थ है "चौराहों वाला शिखर।" **4,890 मीटर** की ऊँचाई पर स्थित यह दर्रा लाहौल (हिमाचल प्रदेश) को लद्दाख (जम्मू–कश्मीर) से जोड़ता है। स्पीति, लद्दाख, ज़ांस्कर और लाहौल की ओर से आने वाले मार्ग यहाँ मिलते है और ऐतिहासिक रूप से यह एक महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग रहा है।

कुंजुम दर्रा	पूर्वी कुंजुम पर्वतमाला (लाहौल–स्पीति)	**4,557 मीटर** की ऊँचाई पर स्थित कुंजुम दर्रा लाहौल घाटी का प्रवेश द्वार है। यह कुल्लू और लाहौल घाटियों को स्पीति घाटी से जोड़ता है तथा अनुकूल जलवायु के कारण वर्ष भर खुला रहता है।
शिपकी ला दर्रा	किन्नौर–तिब्बत सीमा	शिपकी ला दर्रा **4,500 मीटर** की ऊँचाई पर स्थित है और हिमाचल प्रदेश व तिब्बत (चीन) के बीच एक मार्ग के रूप में कार्य करता है। **सतलुज नदी** इसी दर्रे से भारत में प्रवेश करती है और यह ऐतिहासिक रूप से प्राचीन रेशम मार्ग (सिल्क रूट) का हिस्सा रहा है।
रोहतांग दर्रा	कुल्लू जिला	समुद्र तल

हिमाचल प्रदेश की प्रमुख घाटियाँ:

1. कुल्लू घाटी

- ✓ यह समुद्र तल से लगभग **1,279 मीटर** की ऊँचाई पर स्थित है।
- ✓ ब्यास **नदी** इस घाटी के मध्य भाग से होकर बहती है।
- ✓ इसे लोकप्रिय रूप से **"देवताओं की घाटी"** कहा जाता है।
- ✓ रोहतांग **दर्रे** के माध्यम से यह घाटी लाहौल और स्पीति घाटियों से जुड़ी हुई है।
- ✓ यह घाटी मंडी के निकट **लारजी गर्ज** से लगभग **80 किलोमीटर** उत्तर की ओर रोहतांग दर्रे तक विस्तृत है जो लाहौल और लद्दाख का प्रवेश द्वार है।
- ✓ यह क्षेत्र **देवदार और चीड़ के वनों** तथा विविध प्रकार के **जंगली पुष्पों** से आच्छादित है।
- ✓ **कुल्लू नगर** (लगभग 1,200 मीटर) इस घाटी का मुख्य जन-बसाव क्षेत्र है।
- ✓ **मनाली**, जो 1,926 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है, एक प्रमुख पर्यटन स्थल है।
- ✓ **प्रसिद्ध या पर्यटन स्थल**: सेब के बाग; गर्म पानी के झरने (मणिकरण, नेहरू कुंड); हिडिम्बा मंदिर; कुल्लू दशहरा उत्सव; हाथ से बुनी शॉल और कुल्लू टोपी

2. काँगड़ा घाटी

- ✓ **यह कांगड़ा जिले** में स्थित है।
- ✓ हिमाचल प्रदेश की **"वीर भूमि"** के रूप में प्रसिद्ध।
- ✓ समुद्र तल से औसत ऊँचाई लगभग **610 मीटर**।
- ✓ घाटी में **ब्यास नदी** तथा कई **सदानीरा (हमेशा बहने वाली) धाराएँ** प्रवाहित होती हैं, जो सिंचाई के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- ✓ घाटी की भू-रूपरेखा पश्चिम से पूर्व की ओर ऊँचाई में बढ़ती है; शहपुर से बैजनाथ और पालमपुर तक भूमि क्रमशः ऊपर उठती जाती है।
- ✓ **पुरातात्त्विक महत्व**, क्योंकि यहाँ पाषाण युग के औज़ार प्राप्त हुए हैं।
- ✓ **प्रसिद्ध या पर्यटन स्थल** : प्राकृतिक सुंदरता; प्राचीन मंदिर; कांगड़ा किला; कांगड़ा लघु चित्रकला; गद्दी चरवाहा समुदाय

3. लाहौल और स्पीति घाटियाँ

- ✓ ये भारत-तिब्बत सीमा पर स्थित है।
- ✓ यह समुद्र तल से 3,000 से 6,500 मीटर की ऊँचाई पर पहाड़ों से घिरी हुई है।

a) लाहौल घाटी

- ✓ **यह पीर पंजाल पर्वतमाला के उत्तर** में स्थित है।
- ✓ **यह चंद्रा और भागा नदियों** के बीच स्थित है, जो तांडी में मिलकर **चिनाब नदी** का निर्माण करती हैं।
- ✓ **यह बिग शिगरी** और **नोहतांग** जैसी ऊँची चोटियों से घिरी हुई है।
- ✓ जनसंख्या में **हिंदू और बौद्ध** दोनों समुदाय शामिल हैं।
- ✓ सर्दियों के पूरे मौसम में **भारी हिमपात** होता है।

Toppersnotes Unleash the topper in you

b) स्पीति घाटी

- ✓ यह भारत और तिब्बत के बीच स्थित है तथा **स्पीति** नाम का अर्थ भी **"मध्य भूमि"** होता है। इसका एक अर्थ **"रत्नों की भूमि"** भी होता है।
- ✓ यह हिमाचल प्रदेश के **उत्तर–पूर्वी क्षेत्र** में स्थित है।
- ✓ इसकी सीमाएँ **लद्दाख, तिब्बत और किन्नौर** से लगती हैं।
- ✓ यह क्षेत्र **स्पीति नदी** के किनारे लगभग **4,000 मीटर** की ऊँचाई पर स्थित है।
- ✓ अत्यंत कम वर्षा के कारण इसे **शीत मरुस्थलीय पर्वतीय घाटी** के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

4. चंबा और रावी घाटी

- ✓ **यह ज़ांस्कर और धौलाधार पर्वतमालाओं** के बीच दक्षिणी हिमालय में स्थित है।
- ✓ **यह एक यू-आकार की घाटी** है जो रावी नदी के **दक्षिणी तट** पर लगभग **996 मीटर** की ऊँचाई पर स्थित है।
- ✓ **ईस्वी 920** में **राजा साहिल वर्मा** द्वारा स्थापित; इसका नाम उनकी पुत्री **चम्पावती** के नाम पर रखा गया।
- ✓ **वनस्पतियाँ** :जंगली जैतून ; अनार; अंजीर; अर्ध-उष्णकटिबंधीय वृक्ष, जैसे **पीपल, शीशम और बबूल (एकेशिया)**
- ✓ खेती के लिए उपयुक्त हल्की ढलानों के कारण यहाँ सघन आबादी है।
- ✓ **प्रसिद्ध या पर्यटन स्थल**: औषधीय जड़ी बूटियाँ; विविध फूलों की प्रजातियाँ; मंकी वैली (बंदर घाटी)
- ✓ चंबा शहर जिले का मुख्यालय है।
- ✓ इस घाटी के लोगों को चंबियाल के नाम से जाना जाता है।

5. पावंटा और क्यारदा दून घाटी

- ✓ **यह सिरमौर जिले** में स्थित है।
- ✓ यह घाटी **मार्कंडा पर्वतमाला के पूर्वी छोर** और **धरती पर्वतमाला** के बीच स्थित है।
- ✓ इसका ढाल राज्य के **दक्षिण–पूर्वी भाग** की ओर है।
- ✓ **यमुना नदी** इस घाटी को देहरादून से अलग करती है।
- ✓ धार्मिक स्थल : **पांवटा साहिब गुरुद्वारा; राम मंदिर**

<u>हिमाचल प्रदेश की कुछ अन्य महत्वपूर्ण घाटियाँ</u>

घाटी	विवरण
सांगला / बास्पा घाटी	किन्नौर जिले में स्थित यह घाटी लगभग **1,830 मीटर से 3,475 मीटर** (चितकुल तक) की ऊँचाई तक फैली है। यह किन्नौर की **सबसे बड़ी और सबसे मनोहर घाटियों** में से एक है।
मुलगुन और रुपिन घाटी	ये दोनों घाटियाँ हिमाचल प्रदेश के **किन्नौर जिले** में स्थित हैं।
हांगरांग घाटी	यह घाटी किन्नौर जिले में **भारत–तिब्बत सीमा के निकट** स्थित है।
पट्टन घाटी	हिमाचल प्रदेश के **लाहौल–स्पीति जिले** में स्थित।
पिन घाटी	लाहौल–स्पीति जिले में स्थित यह घाटी समुद्र तल से **3,500 से 6,000 मीटर** की ऊँचाई के बीच स्थित है। इसे वर्ष **1987 में राष्ट्रीय उद्यान** घोषित किया गया था।
पांगी घाटी	**चिनाब नदी** के किनारे स्थित यह घाटी **2,100 से 3,400 मीटर** की ऊँचाई तक फैली है। इस क्षेत्र में **ग्यास शिखर** स्थित है।
सोलंग घाटी	कुल्लू जिले में स्थित। यह हिमाचल प्रदेश में **शीतकालीन स्कीइंग उत्सव** और **पैराग्लाइडिंग** गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध है।
बलह घाटी	मंडी जिले में स्थित यह घाटी **शिमला रिज** और **शिवालिक पहाड़ियों** के बीच स्थित है। इसकी औसत ऊँचाई लगभग **800 मीटर** है।

डेमी घाटी	यह घाटी **बहादुरपुर** और **बांदला पर्वतमालाओं** के बीच लगभग **800 मीटर** की ऊँचाई पर स्थित है।
पब्बर / रोहड़ू घाटी	यह घाटी **हाटकोटी** से प्रारंभ होकर **टिकरी** तक फैली है जो चांसल पर्वतमाला की तलहटी में स्थित है। यहाँ **ब्लू पाइन, स्प्रूस और सिल्वर फर** के वन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।
कुनीहार घाटी	यह सोलन जिले में लगभग **1,000 मीटर** की ऊँचाई पर स्थित। इसे स्थानीय रूप से **हाटकोट** और **छोटी विलायत** भी कहा जाता है।

हिमाचल प्रदेश की महत्वपूर्ण नदियाँ

1. सतलुज नदी

- ✓ **सतलुज नदी** का उद्गम **राकसताल से होता है जो कैलाश पर्वत** की दक्षिणी ढलानों पर **मानसरोवर झील** के निकट स्थित है।
- ✓ वैदिक साहित्य में इसका नाम **सतुद्री** मिलता है जबकि संस्कृत में इसे **शतद्रु** कहा गया है।
- ✓ तिब्बत में इसे **लांगछेन ज़ांग्बो (हाथी नदी)** के नाम से जाना जाता है।
- ✓ यह **हिमाचल प्रदेश की सबसे लंबी नदी** है।
- ✓ यह नदी **शिपकी ला दर्रे (लगभग 6608 मीटर ऊँचाई)** से हिमाचल में प्रवेश करती है।
- ✓ सतलुज **किन्नौर, शिमला, कुल्लू, सोलन, मंडी और बिलासपुर** जिलों से होकर बहती है।
- ✓ कुल लंबाई लगभग **1448 किमी**, जिसमें से **320 किमी हिमाचल में** प्रवाहित होती है।
- ✓ बिलासपुर के **भाखड़ा** से यह पंजाब में प्रवेश कर आगे चलकर पाकिस्तान में **सिंधु नदी** से मिल जाती है।
- ✓ प्रमुख परियोजनाएँ: **भाखड़ा–नांगल बाँध**, **गोबिंद सागर झील**।
- ✓ प्रमुख नगर: **नामगिया, कल्पा, रामपुर, तत्तापानी, सुन्नी, बिलासपुर**।

सतलुज की प्रमुख सहायक नदियाँ

सहायक नदी	उद्गम	संगम	विशेष तथ्य
बस्पा	बस्पा पहाड़ियाँ	कल्पा के पास (बायाँ किनारा)	लगभग 75 किमी; हिमानी जल
स्पीति	कुंजुम पर्वत श्रेणी	नामगिया	स्पीति–पिन घाटी को जल
सोआन	शिवालिक की तलहटी	HP–पंजाब सीमा	मौसमी; बाढ़ प्रवण

2. ब्यास नदी

- ✓ ब्यास नदी का उद्गम **रोहतांग दर्रे के पास स्थित ब्यास कुंड** से होता है।
- ✓ यह **पीर पंजाल पर्वतमाला** से निकलकर **धौलाधार श्रेणी को लारजी में काटती है**।
- ✓ वैदिक नाम **अर्जिकिया** तथा संस्कृत नाम **विपाशा** है।
- ✓ यह **कुल्लू और कांगड़ा घाटियों** से होकर बहती है।
- ✓ कुल लंबाई लगभग **470 किमी**, जिसमें **256 किमी हिमाचल में** है।
- ✓ **मीरथल** के पास यह मैदानों में प्रवेश करती है।
- ✓ प्रमुख नगर: **मनाली, कुल्लू, पंडोह, मंडी, नादौन, सुजानपुर**।

ब्यास की प्रमुख सहायक नदियाँ

सहायक नदी	उद्गम	संगम	विशेषता
अवा	धौलाधार	कांगड़ा घाटी	हिम + वर्षा जल
बानेर खड्ड	पालमपुर क्षेत्र	ब्यास	कांगड़ा अपवाह
बाणगंगा	धौलाधार ढाल	ब्यास	झरनों से पोषित
चक्की	धौलाधार	पथानकोट के पास	SW हिमाचल
गज खड्ड	धौलाधार	पोंग बाँध	महाराणा प्रताप सागर
उल्ह	थमसर हिमनद	मंडी के पास	धौलाधार आधार
पार्वती	मंतलाई झील	शमशी	जलविद्युत
तीरथन	ग्रेट हिमालय	लारजी	वनाच्छादित घाटी

3. चेनाब नदी

- ✓ चेनाब नदी का निर्माण **लाहौल–स्पीति के टांडी** में **चंद्रा और भागा नदियों** के संगम से होता है।
- ✓ संगम स्थल की ऊँचाई लगभग **2286 मीटर** है।
- ✓ वैदिक नाम **अस्किनी**, संस्कृत नाम **चंद्रभागा**।
- ✓ कुल लंबाई लगभग **960 किमी**, जिसमें **122 किमी हिमाचल में** है।
- ✓ जल की मात्रा की दृष्टि से यह **हिमाचल की सबसे बड़ी नदी** है।
- ✓ यह **पांगी घाटी** से होकर बहती है और **संसरि नाला** से कश्मीर में प्रवेश करती है।
- ✓ चेनाब घाटी का निर्माण **ग्रेट हिमालय और पीर पंजाल** पर्वतमालाओं के बीच हुआ है।

चेनाब की सहायक नदियाँ

नदी	उद्गम	संगम	विशेषता
भागा	लाहौल घाटी	टांडी	हिमानी, U-आकार घाटियाँ
चंद्रा	लाहौल हिमालय	टांडी	शीत मरुस्थल क्षेत्र

4. रावी नदी

- ✓ रावी नदी का उद्गम **बड़ा बंगल (धौलाधार श्रेणी)** से होता है।
- ✓ वैदिक नाम **पुरुष्णी,** संस्कृत नाम **इरावती**।
- ✓ यह **भदल और तांत गिरी** धाराओं से पोषित होती है।
- ✓ कुल लंबाई लगभग **720 किमी**, जिसमें **158 किमी हिमाचल में** है।
- ✓ यह **पीर पंजाल (उत्तर)** और **धौलाधार (दक्षिण)** के बीच गहरी घाटियाँ बनाती है।
- ✓ हिमाचल में **चंबा, भरमौर, माधोपुर** से होकर बहती है।
- ✓ आगे चलकर पाकिस्तान में **चेनाब नदी** में मिल जाती है।

रावी की सहायक नदियाँ

नदी	उद्गम	संगम	विशेषता
भदल	बड़ा बंगल	तांत गिरी → रावी	हिमानी, झरने
सियुल	धौलाधार–पीर पंजाल	चंबा के नीचे	U-मोड़
बैरा	पीर पंजाल ढाल	रावी	बारहमासी
तांत गिरी	भरमौर के पास	रावी	हिमानी प्रभाव

5. यमुना नदी

- ✓ यमुना नदी **गंगा की प्रमुख सहायक** और हिमाचल की **पूर्वी सीमा की नदी** है।
- ✓ इसका उद्गम **यमुनोत्री हिमनद (उत्तराखंड)** से होता है।
- ✓ हिमाचल में यह **ख़दर माजरी (सिरमौर)** से प्रवेश करती है।
- ✓ वैदिक नाम **कालिंदी**, संस्कृत नाम **यमुना**।
- ✓ कुल लंबाई लगभग **1376 किमी**, जिसमें **152 किमी हिमाचल में** है।
- ✓ **ताजेवाला** के पास हरियाणा में प्रवेश करती है।
- ✓ यह **शिमला रिज की दक्षिण-पूर्वी ढलानों** को अपवाहित करती है।

यमुना की प्रमुख सहायक नदियाँ

नदी	उद्गम	संगम	विशेषता
गिरी	कूपर शिखर	पांवटा साहिब	सिरमौर विभाजन
असनी	नाग टिब्बा	गिरी	गहरी V-घाटी
जलाल	धारती श्रेणी	गिरी → यमुना	दायाँ तट
टोंस	रूपिन + सुपिन	कलसी	सबसे बड़ी सहायक
पब्बर	धौलाधार	टोंस	हिमानी
बटा	नाहन के नीचे	यमुना	चौड़ी सीढ़ियाँ
मार्कंडा	किआरदा दून	यमुना	वर्षा आधारित
स्वाण	शिवालिक	मैदान	बाढ़ प्रवण

हिमाचल प्रदेश की प्रमुख झीलें

श्रेणी	झीलें	स्थिति	विवरण
निम्न ऊँचाई वाली झीलें	**मच्छियल झील**	मंडी जिला	लगभग 850 मीटर की ऊँचाई पर स्थित एक पवित्र झील। मच्छेन्द्र देवता से संबंधित, जिन्हें भगवान विष्णु के मत्स्य अवतार का रूप माना जाता है।

	रेणुका झील	सिरमौर जिला	हिमाचल प्रदेश की सबसे बड़ी प्राकृतिक झील (672 मीटर ऊँचाई)। परिधि लगभग 3,214 मीटर। इसका आकार सोई हुई स्त्री जैसा प्रतीत होता है। पास में **रेणुका मंदिर**, चिड़ियाघर, सिंह सफारी और नौका-विहार की सुविधा। हर वर्ष नवंबर में **रेणुका मेला** आयोजित होता है।
मध्य ऊँचाई वाली झीलें	**खज्जियार झील**	चंबा जिला	1,951 मीटर पर स्थित सदानीरा झील, कालाटोप अभयारण्य के देवदार वनों से घिरी। खज्जी नाग के नाम पर। **भारत की मिनी स्विट्ज़रलैंड** कहलाती है। यहाँ पंच-पांडव वृक्ष प्रसिद्ध है।
	डल (भगसुनाग) झील	कांगड़ा जिला	1,775 मीटर की ऊँचाई पर देवदार वृक्षों से घिरी झील। तट पर प्रसिद्ध **भगसुनाग शिव मंदिर**। सितंबर में गद्दी जनजाति का वार्षिक मेला।
	रेवालसर झील	मंडी जिला	1,360 मीटर पर चौकोर आकार की झील। बौद्धों में **पद्मकन** के नाम से जानी जाती है। गुरु पद्मसंभव और नाग पूजा परंपरा से जुड़ी। 1685 में गुरु गोबिंद सिंह का आगमन।
अधिक ऊँचाई वाली झीलें	**चंद्रताल झील**	लाहौल–स्पीति जिला	4,300 मीटर पर स्थित, **कुंजुम दर्रे** से 6 किमी दूर। **"चंद्रमा की झील"** के रूप में प्रसिद्ध। चंद्रा नदी का उद्गम स्थल। मुलकिला और चंद्रभागा पर्वतमाला से घिरी।
	दशीर (दशौर / सरकुंड)	रोहतांग दर्रे के पास	4,270 मीटर की ऊँचाई पर सुंदर झील। मान्यता है कि इसके जल में स्नान से रोग दूर होते हैं। गहराई 3–4 मीटर।
	लामा दाल	चंबा जिला	3,960 मीटर पर धौलाधर पर्वतमाला की भीतरी ढलानों पर। भगवान शिव को समर्पित। नाम का अर्थ "लंबी झील"।
	मनीमहेश झील	भरमौर, चंबा जिला	4,183 मीटर पर पीर पंजाल पर्वतमाला में। पास स्थित **मनीमहेश कैलाश** भगवान शिव का निवास माना जाता है। झील के पास चार मुखों वाला शिवलिंग है। इसकी यात्रा अमरनाथ और बद्रीनाथ जितनी पवित्र मानी जाती है।
	नाको झील	किन्नौर जिला (पूह उपमंडल)	विलो और पॉपलर वृक्षों से घिरी हुई है। तट पर कई गाँव स्थित है। यहाँ चार बौद्ध मंदिर और गुरु पद्मसंभव के पदचिह्न है। सर्दियों में ये पूरी तरह जम जाती है।
	प्रशर झील	मंडी जिला	2,730 मीटर पर स्थित यह झील संत प्रशर से संबंधित है। इसके पास तीन-मंज़िला पगोडा शैली का मंदिर स्थित है एवं झील में **तैरता द्वीप भी है**। जून में वार्षिक मेला।
	सूरज ताल	लाहौल–स्पीति जिला	भारत की सबसे अधिक ऊँचाई वाली झीलों में से एक। बारालाचा ला के पास। नाम का अर्थ "सूर्य देव की झील"। **भागा नदी** का उद्गम स्थल। वर्षभर भारी हिमपात।
कृत्रिम झीलें	**गोविंद सागर (भाखड़ा)**	बिलासपुर जिला	भाखड़ा–नांगल बाँध से निर्मित। 226 मीटर ऊँचा विश्व का सबसे बड़ा गुरुत्वीय बाँध जलाशय। 168 वर्ग किमी क्षेत्र। प्रवासी पक्षियों का प्रमुख आवास। अक्टूबर–नवंबर में जल क्रीड़ाएँ।

	महाराणा प्रताप सागर (पोंग झील)	कांगड़ा जिला	1975 में ब्यास नदी पर निर्मित। भारत का सबसे ऊँचा अर्थ-फिल बाँध जलाशय। 1983 में रामसर स्थल एवं वन्यजीव अभयारण्य घोषित। दुर्लभ **रेड-नेक्ड ग्रीब** सहित अनेक प्रवासी पक्षी।
	पंडोह झील	मंडी जिला	ब्यास नदी पर पंडोह बाँध से बनी लंबी एवं संकरी झील। सुरंगों द्वारा जल सतलुज में मोड़ा जाता है। NH–21 पर, मंडी से 25 किमी दूर। अक्टूबर–मई में जल क्रीड़ाएँ।
	चमेरा झील	चंबा जिला	रावी नदी पर स्थित चमेरा जलाशय का भाग। आसपास घने वन एवं घाटियाँ। पास में भालिए मंदिर और भंडाल घाटी के वन। सिंचाई हेतु प्रमुख स्रोत।

हिमाचल प्रदेश के प्रमुख जलप्रपात

जलप्रपात	स्थान/जिला	दूरी/ऊँचाई (यदि उपलब्ध)	प्रमुख विशेषताएँ
रहला जलप्रपात	मनाली के पास, रोहतांग मार्ग (कुल्लू)	~16 किमी; ~2501 मी	कैस्केड/पंचबोल शैली; मुख्यतः हिम-पिघलन (snowmelt) से पोषित
तात्तापानी जलप्रपात	सतलुज का दायाँ तट, शिमला क्षेत्र	~50 किमी (शिमला से)	गर्म सल्फरयुक्त जल से जुड़ा; औषधीय गुणों की स्थानीय मान्यता
मच्छियल जलप्रपात	धर्मशाला–पठानकोट मार्ग (कांगड़ा)	~25 किमी (धर्मशाला से)	सड़क मार्ग के पास प्रसिद्ध स्थानीय जलप्रपात
भागसू जलप्रपात	धर्मशाला के पास (कांगड़ा)	—	भागसूनाथ (शिव) मंदिर के निकट; लोकप्रिय पर्यटन स्थल
बद्री जलप्रपात	सोलन जिला	—	जल को औषधीय माना जाता है; आसपास धार्मिक/स्थानीय आस्था से जुड़े स्थल
सिस्सू जलप्रपात	लाहौल–स्पीति, ग्राम्फू के पास	~25 किमी	युवा हिमालय के हिमनदों से निकलने वाला जल; दृश्यात्मक रूप से आकर्षक
चैडविक जलप्रपात	समर हिल के पास, शिमला	~2 किमी; ~1586 मी	मुख्यतः वर्षा जल पर निर्भर; मानसून में अधिक प्रवाह
बुंडला जलप्रपात	पालमपुर के पास (कांगड़ा)	~100 मी गिरावट	चाय बागानों/घने जंगलों के बीच; बुंडला नदी में मिलकर आगे बढ़ता है
पलानी जलप्रपात	कुल्लू जिला	~492 मी (ऊँचाई)	भारत के प्रमुख "सर्ज-टाइप" जलप्रपातों में गिना जाता है

हिमाचल प्रदेश के गर्म जलस्रोत

गर्म जलस्रोत	स्थान/जिला	तापमान/ऊँचाई (यदि उपलब्ध)	प्रमुख विशेषताएँ
मणिकरण	पार्वती घाटी, कुल्लू	—	अत्यधिक गर्म जल; औषधीय/धार्मिक महत्व; नाम का अर्थ "कर्णफूल/कान का रत्न"
वशिष्ट	मनाली से ~6 किमी, कुल्लू	110°F–123°F	औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध; HPTDC द्वारा आधुनिक स्नान सुविधाएँ विकसित

कसोल	कुल्लू जिला	—	अपेक्षाकृत शांत/कम भीड़; मुख्यतः पैदल पहुँच; गाँव में एक प्रमुख गर्म स्रोत
खिरगंगा	पार्वती घाटी, कुल्लू	कुल्लू से ~26 किमी; पुलगा ट्रेक से ~10 किमी	रोग-निवारक मान्यता; पौराणिक परंपरा से जुड़ा स्थल
तात्तापानी (हॉट स्प्रिंग)	मंडी, सतलुज का दायाँ तट	~665 मी	"तात्तापानी" का अर्थ "गर्म पानी"; प्राकृतिक सल्फरयुक्त जल, स्वास्थ्य-लाभ की मान्यता

हिमाचल प्रदेश के प्रमुख हिमनद ("शिगरी")

- स्थानीय भाषा में हिमनदों को प्रायः **"शिगरी"** कहा जाता है।
- राज्य के हिमनद बड़े क्षेत्र में बर्फ-संचय कर जल-भंडारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हिमनद	स्थान/क्षेत्र	लंबाई/ऊँचाई (यदि उपलब्ध)	प्रमुख विशेषताएँ
बारा शिगरी हिमनद	चंद्रा घाटी, लाहौल (लाहौल–स्पीति)	~25 किमी लंबा; ~3 किमी चौड़ा; 3950–4570 मी	हिमाचल का सबसे बड़ा हिमनद; चेनाब तंत्र को जल देता; 1936 में अवरोध से चंद्रताल के निर्माण से जोड़कर देखा जाता है; 1906 में GSI सर्वे
भादल हिमनद	बारा भंगाल क्षेत्र, कांगड़ा	—	भादल नदी को जल; भारी हिमपात से मौसमी विस्तार/संकुचन
भागा हिमनद	लाहौल–स्पीति	~25 किमी	भागा नदी का प्रमुख स्रोत; बर्फाच्छादित चोटियों से घिरा
चंद्रा हिमनद	लाहौल–स्पीति	—	बारा शिगरी से अलग; चंद्रताल के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाता है
चंद्र नाहन हिमनद	रोहरू के उत्तर-पश्चिम, महान हिमालय की ढलानें	>6000 मी	चंद्र नाहन झील को जल; उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित
लेडी ऑफ केलोंग हिमनद	केलोंग के निकट (लाहौल)	~6061 मी	केलोंग नगर से स्पष्ट दिखाई देने वाला हिमनद; नामकरण औपनिवेशिक काल में
सोनापानी हिमनद	रोहतांग क्षेत्र के आसपास	~कुल्टी नाले के संगम से 6 किमी	रोहतांग से आसानी से दिखता; 1906 में सर्वे का उल्लेख मिलता है

अन्य महत्वपूर्ण हिमनद (सूची)

हिमनद	बेसिन/क्षेत्र
मुलकिला	भागा घाटी
घुडोंग	चेनाब बेसिन
मियार	चेनाब बेसिन
सारा उमगा	ब्यास बेसिन
त्रिचु	ब्यास बेसिन
पेरड	चेनाब बेसिन

हिमाचल प्रदेश के प्रमुख जलवायु क्षेत्र

क्रम	जलवायु क्षेत्र	प्रमुख जिले / क्षेत्र	औसत वार्षिक तापमान	औसत वार्षिक वर्षा	प्रमुख विशेषताएँ
i.	**अर्ध-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र**	ऊना, सिरमौर, कांगड़ा के कुछ भाग	लगभग 24°C	लगभग 1,000 मि.मी.	गर्म जलवायु, मध्यम वर्षा
ii.	**आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र**	हमीरपुर, बिलासपुर, मंडी का अधिकांश भाग, नाहन (सिरमौर), नालागढ़, देहरा गोपीपुर, नूरपुर (कांगड़ा)	20°C – 24°C	1,180 – 1,900 मि.मी.	पर्याप्त वर्षा, कृषि हेतु अनुकूल
iii.	**अति-आर्द्र समशीतोष्ण क्षेत्र**	पालमपुर, धर्मशाला (कांगड़ा), जोगिंदरनगर (मंडी)	15°C – 19°C	2,500 – 3,900 मि.मी.	राज्य में सर्वाधिक वर्षा प्राप्त क्षेत्र
iv.	**आर्द्र समशीतोष्ण क्षेत्र**	मंडी, सोलन, चंबा, कांगड़ा, सिरमौर, कुल्लू, शिमला के कुछ भाग	13°C – 18°C	1,000 – 2,500 मि.मी.	समशीतोष्ण जलवायु, फल उत्पादन क्षेत्र
v.	**अर्ध-आर्द्र समशीतोष्ण अल्पाइन उच्चभूमि क्षेत्र**	लाहौल-स्पीति, पांगी, किन्नौर के विस्तृत क्षेत्र	लगभग 13°C	लगभग 600 मि.मी. (मुख्यतः हिमपात)	ठंडी जलवायु, हिमपात प्रधान
vi.	**शीत मरुस्थलीय क्षेत्र**	स्पीति उपमंडल (लाहौल-स्पीति), चंबा व किन्नौर के कुछ भाग	लगभग 13°C	लगभग 250 मि.मी.	अत्यल्प वर्षा, शुष्क एवं ठंडा क्षेत्र

हिमाचल प्रदेश की ऋतुएँ एवं वर्षा

ऋतु	स्थानीय नाम	अवधि	मुख्य विशेषताएँ
ग्रीष्म ऋतु	तोड़ी	मार्च/अप्रैल – जून	शिवालिक में अधिक गर्मी (28–32°C), ऊँचाई पर सुहावना मौसम, हिम पिघलने से नदियों का प्रवाह बढ़ता ऊना सबसे गर्म जिला है।
वर्षा ऋतु	मानसून	जून/जुलाई – सितम्बर	दक्षिण-पश्चिम मानसून, सर्वाधिक वर्षा, भूस्खलन व बाढ़ की संभावना सर्वाधिक वर्षा वाला जिला – कांगड़ा अत्यधिक वर्षा स्थल - धर्मशाला (~340 से.मी.) न्यूनतम वर्षा क्षेत्र - स्पीति घाटी (<50 मि.मी.)
शरद-शीत ऋतु	हयुंड	अक्टूबर – मार्च	ठंड, ऊँचे क्षेत्रों में हिमपात, पश्चिमी विक्षोभों का प्रभाव कीलांग (लाहौल–स्पीति) सबसे ठंडा स्थान है।

हिमाचल प्रदेश की मृदाओं

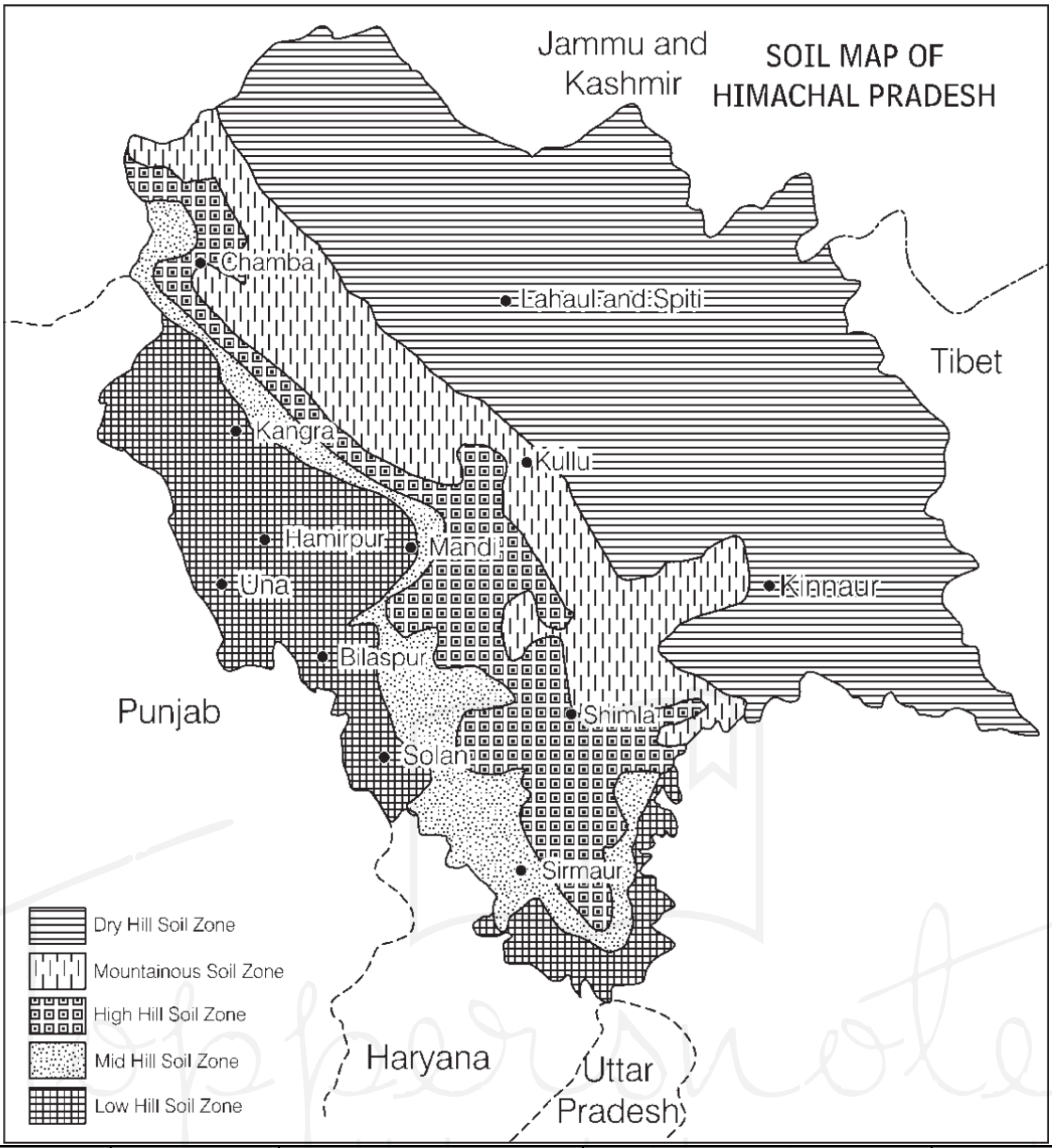

क्रम	मृदा क्षेत्र	ऊँचाई (मीटर)	प्रमुख क्षेत्र	मृदा की मुख्य विशेषताएँ	उपयुक्त फसलें
1	**निम्न-पर्वतीय मृदा**	900–1000	ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी, नाहन, पांवटा घाटी	हल्की भूरी, उथली, जलोढ़, रेतीली दोमट, कम जैविक पदार्थ	मक्का, गेहूँ, धान, गन्ना; आम, लीची
2	**मध्य-पर्वतीय मृदा**	1000–1500	पालमपुर, अर्की, पच्छाद, डलहौजी, जोगिंदरनगर	पॉडज़ॉलिक, धूसर-भूरी, चिकनी दोमट, मध्यम जैविक पदार्थ	आलू, मक्का; आड़ू, आलूबुखारा
3	**उच्च-पर्वतीय मृदा**	1500–3000	करसोग, चाचियोट, ऊपरी शिमला, ऊपरी चुराह	ब्राउन हिल सॉयल, गहरी, उपजाऊ, हल्की अम्लीय	सेब, नाशपाती, चेरी
4	**पर्वतीय मृदा**	3000–6000	शिमला, कांगड़ा, कुल्लू के कुछ भाग	वन मृदा, गहरी भूरी, अम्लीय	सीमित कृषि, सेब
5	**शुष्क पर्वतीय मृदा**	6000+	किन्नौर, लाहौल-स्पीति, पांगी, भरमौर	रेतीली-दोमट, क्षारीय, पोषक तत्वों की कमी	बादाम, अखरोट, किशमिश

3 CHAPTER

हिमाचल प्रदेश की कृषि

हिमाचल प्रदेश की प्रमुख फसलें

- हिमाचल प्रदेश में कृषि धीरे-धीरे **आत्मनिर्वाह से व्यावसायिक एवं नकदी फसलों पर केंद्रित कृषि** की ओर परिवर्तित हो रही है।
- यहाँ **खाद्यान्न, दलहन, तिलहन, सब्ज़ियाँ, फल, सूखे मेवे तथा चारे की फसलों** आदि का उत्पादन होता है।
- **खाद्य फसलें: गेहूँ, मक्का, चावल, जौ, दलहन**।
  - ✓ मुख्य उत्पादन क्षेत्र: **कांगड़ा घाटी, मंडी ज़िला** तथा **सिरमौर की पावंटा घाटी** के कुछ भाग।
  - ✓ **जौ** की खेती विशेष रूप से **शिमला ज़िले** तथा ऊँचाई वाले क्षेत्रों में प्रमुख है।
- **नकदी एवं व्यावसायिक फसलें:** आलू बीज, अदरक, गैर-ऋतुगत सब्ज़ियाँ एवं इनके बीज, मशरूम, चिकोरी बीज, केसर (सीमित क्षेत्रों में) और होप।
- **फल एवं बागवानी फसलें:**
  - ✓ हिमाचल प्रदेश को व्यापक सेब उत्पादन के कारण **'भारत का सेब राज्य'** कहा जाता है जो राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
  - ✓ अन्य प्रमुख फल: **नाशपती, आड़ू, आलूबुखारा, खूबानी, बादाम, अखरोट, चेरी**।

हिमाचल प्रदेश की प्रमुख खाद्यान्न फसलें

फसल	महत्वपूर्ण तथ्य	मुख्य जिले
गेहूँ	➢ हिमाचल प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण अनाज फसल। ➢ रबी मौसम में पूरे राज्य में बोई जाती है, सिवाय लाहौल–स्पीति, किन्नौर, पांगी एवं भरमौर (चंबा) क्षेत्रों के। ➢ बुवाई: सितंबर मध्य–नवंबर; कटाई: अप्रैल मध्य–जून। ➢ प्रमुख किस्में: कल्याण सोना, सोनालिका, सुरभि (HPW-89), RR-21। ➢ जलभराव को छोड़कर सभी मिट्टियाँ उपयुक्त; मध्यम दोमट एवं अच्छी जल-निकास वाली मिट्टी सर्वोत्तम।	हमीरपुर, कांगड़ा, किन्नौर, बिलासपुर
जौ	➢ राज्य की दूसरी सबसे महत्वपूर्ण रबी अनाज फसल। ➢ प्रमुख किस्में: डोल्मा, विमल (HBL-13), गोपी (HBL-316)। ➢ अच्छे जल-निकास वाली दोमट मृदा सर्वश्रेष्ठ।	लाहौल–स्पीति, किन्नौर, पांगी, भरमौर (चंबा)
धान	➢ हिमाचल प्रदेश की प्रमुख खरीफ फसल। ➢ प्रमुख किस्में: हसन सराय, कस्तूरी, हिमालय-741, पालम धान-957। ➢ रेतीली दोमट से लेकर भारी चिकनी मिट्टी तक सभी मिट्टियों में अनुकूल।	कांगड़ा और मंडी (राज्य के कुल धान क्षेत्र का लगभग 65% हिस्सा)
मक्का	➢ हिमाचल प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण खरीफ फसलों में से एक। ➢ लोमी मृदा से लेकर चिकनी मृदा तक विविध मिट्टियों में सफलतापूर्वक कृषि। ➢ प्रमुख किस्में: गंगा-3, विजय, पार्वती, हिम-123।	मंडी, कांगड़ा, हमीरपुर, चंबा, बिलासपुर, ऊना, कुल्लू, सोलन, सिरमौर

Unleash the topper in you

दालें

- दलहन खाद्यान्न का एक महत्वपूर्ण भाग हैं।
- हिमाचल प्रदेश में खरीफ दलहनों की खेती लगभग **67 हजार हेक्टेयर** क्षेत्र में की जाती है।
- खरीफ दलहनों में **उड़द, सेम, मूंग, माश, कुल्थी और राजमाश** सबसे महत्वपूर्ण फसलें हैं।
- अरहर और मूंग की भी बहुत सीमित क्षेत्र में कृषि की जाती हैं।
- जिले: **मंडी** ज़िले में दलहनों का सर्वाधिक क्षेत्र है, इसके बाद **शिमला** और **सिरमौर** का स्थान आता है।

तिलहन

- हिमाचल प्रदेश में मुख्य रूप से तीन प्रमुख तिलहन फसलें उत्पादित की जाती है - **रेपसीड, सरसों और तोरी**।
- रेपसीड और सरसों की खेती प्रायः **चंबा ज़िले** में अधिक होती है।
- इन फसलों के अंतर्गत आने वाले कुल क्षेत्रफल का लगभग **50%** चंबा जिले में है जिसके कारण इन तिलहन फसलों के उत्पादन में इसका योगदान सर्वाधिक है।
- **तोरी** की खेती पहाड़ियों के तलहटी क्षेत्र एवं **मध्य पहाड़ी क्षेत्रों** में समुद्र तल से लगभग **1000 मीटर** की ऊँचाई तक उपयुक्त रूप से की जाती है।
- राज्य में तिलहन फसलों के अंतर्गत आने वाला कुल कृषिगत क्षेत्रफल लगभग **14 हजार हेक्टेयर** है।
- राज्य में **भूरी सरसों, राया** तथा **अलसी** की खेती भी की जाती है।

सब्जियाँ

- यद्यपि राज्य खाद्यान्न उत्पादन में घाटे की स्थिति में है, फिर भी **आलू के बीज, अदरक, मशरूम, चिकोरी बीज, होप, जैतून और अंजीर** जैसी फसलों के उत्पादन में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है।
- **आलू** के बीज की खेती मुख्यतः **शिमला, कुल्लू और लाहौल** ज़िलों में की जाती है।

सब्ज़ी	महत्वपूर्ण तथ्य	मुख्य जिले
आलू	➢ अनुकूल जलवायु के कारण हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था में इसका महत्वपूर्ण स्थान है। ➢ उच्च पर्वतीय क्षेत्रों की शीत समशीतोष्ण जलवायु, तेज़ वायु वेग और मध्यम आर्द्रता आलू उत्पादन के लिए अत्यंत उपयुक्त है। ➢ 1823 में मेजर कैनेडी ने शिमला में आलू उत्पादन प्रारम्भ किया, जिसके बाद बड़े पैमाने पर इसकी खेती शुरू हुई। ➢ **केंद्रीय आलू अनुसंधान केंद्र (CPRC) शिमला में स्थित है।** ➢ प्रमुख किस्में: **कुफ़री चंद्रमुखी, कुफ़री ज्योति, कुफ़री अलंकार, अप-टू-डेट**। ➢ **अच्छी जल-निकासी वाली रेतीली दोमट तथा उपजाऊ दोमट मिट्टी** आलू के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है, हालांकि यह विभिन्न प्रकार की मृदाओं में उगाया जा सकता है।	चंबा, कुल्लू, शिमला, मंडी, सिरमौर, लाहौल एवं स्पीति
अदरक	➢ हिमाचल प्रदेश के मध्य एवं निचले पर्वतीय क्षेत्रों की एक महत्वपूर्ण नकदी फसल। ➢ अदरक उत्पादन में **बिलासपुर** का राज्य में शीर्ष स्थान है। ➢ राज्य में उत्पादित अधिकांश ताज़ा अदरक पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश आदि पड़ोसी राज्यों में बेच दी जाती है।	सिरमौर (लगभग तीन-चौथाई क्षेत्र), सोलन, मंडी, शिमला, कांगड़ा, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा